खेत साफ कर रहे लोगों पर तेंदुए ने किया हमला, तीन घायल

विधायक पाटीदार ने अस्पताल पहुंचकर जाना घायलों का हाल, डॉक्टरों को दिए उचित उपचार के निर्देश

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र । जिला मुख्यालय से करीब 25 किमी दूर ग्राम तक्षक दसनवाल में शनिवार दोपहर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक खेत में मेड़ की साफ-सफाई के दौरान झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने अचानक खेतीहर मजदूरों पर हमला कर दिया। इस हमले में दो भाईयों के साथ एक अन्य युवक गंभीर रुप से घायल हो गया, जिन्हें 108 से लहुलुहान हालत में जिला अस्पताल लाया गया।

हमले में ग्रामीणों के घायल होने की सूचना पर विधायक बालकृष्ण पाटीदार जिला अस्पताल पहुंचे। यहां घायलों की कुशलक्षेम जानने के बाद सिविल सर्जन सहित चिकित्सकों से उनके उचित उपचार के निर्देश दिए। विधायक पाटीदार ने वन विभाग के अधिकारियों से भी संपर्क कर क्षेत्र में तेंदूए को पकडने के लिए सर्चिंग अभियान शुरु करने के निर्देश दिए। मिली जानकारी अनुसार हमले में नरसिंग पिता नहार सिंग पटेल, तेरसिंग पिता मास्तर डूडवे और गिरधन पिता मास्तर डूडवे तीनों निवासी दसनावल जख्मी हुए है। घायल तेरसिंग ने बताया कि दोपहर में करीब 2 बजे खेत के पास स्थित मेड़ पर लगी झाडियों की साफ-सफाई के लिए आग लगाई थी। इसी दौरान झाड़ियों में छिपा तेंदूआ अचानक हमलावर हो गया। परिजन सोकेश ने बताया कि गांव के पास ही तालाब है। यहां पिछले 15 दिन से तेंदूआ चहल-कदमी करते नजर आ रहा है। पुलिस और वन-विभाग को सूचना दी, लेकिन पुलिस और वन अमला हमसे वीडियो फुटेज एवं तेंदूए के पंजे के निशान की मांग करता रहा।

नवीन व्यावसायिक शिक्षा के साथ कार्य अनुभव का प्रशिक्षण

बिस्टान, निप्र । नवीन व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम अंतर्गत शासकीय सांदीपनि विद्यालय बिस्टान में व्यावसायिक पाठ्यक्रम ब्युटी एवं वैलनेस व आईटी विषय में सत्र 2025-26 की 10 वीं एवं 12 वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं की 2 मई से 25 मई तक 20 दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग श्रेया ब्यूटी पार्लर बिस्टान व न्यू विनायक कंप्यूटर सेंटर बिस्टान में कराई जा रही है।

आईटी विषय के छात्र-छात्राओं की ऑन जॉब ट्रेनिंग न्यू विनायक कंप्यूटर सेंटर बिस्टान में हो रही है, जिसमें श्री नीरज गोले द्वारा कंप्यूटर संबंधित कार्य व ऑनलाइन कामों की जानकारी प्रतिदिन छात्र-छात्राओं को दी जा रही है। ट्रेनिंग के तहत छात्राओं को ब्यूटी पार्लर में पार्लर संचालक श्रीमती पूजा तिरोले व्दारा कौशल कार्य सिखाया जा रहा है, जिससे उनके कौशल व कार्यक्षमता में विकास होगा। संस्था प्राचार्य श्री बलराम भंवर प्रभारी प्राचार्य ओमप्रकाश भालसे एवं जितेन्द्र चौहान की सहमति व ओरियन एजुटेक के राज्य समन्वयक श्री वितुम दुबे, लर्ननेट स्किल के राज्य समन्वयक श्री अर्पित शर्मा एवं जिला व्यावसायिक समन्वयक श्री भूतेष हिरवे के मार्गदर्शन में व्यावसायिक प्रशिक्षिका श्रीमती रजनी पाटिल व व्यावसायिक प्रशिक्षक श्री अजय पाटीदार द्वारा प्रतिदिन ब्यूटी पार्लर व कंप्यूटर सेंटर में छात्र-छात्रों के साथ उपस्थित होकर ब्यूटी पार्लर व कम्प्यूटर संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्य सिखाए जा रहे हैं। उपरोक्त ट्रेनिंग का निरीक्षण संबंधित कंपनी के राज्य समन्वयक एवं जिला शिक्षा अधिकारी महोदय व जिला व्यावसायिक समन्वयक द्वारा समय-समय पर किया जा रहा है। प्राचार्य एवं सांदीपनि विद्यालय परिवार छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

खिलाड़ियों को दे रहे नि :शुल्क ट्रेनिंग

गर्मी की छुट्टी में बच्चों को खेलों से जोड़ने की कोशिश

खरगोन, निप्र। गर्मी की छुट्टियों में बच्चों एवं युवाओं को खेलों से जोड़ने और उनके शारीरिक व मानसिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह का आगाज शनिवार को समारोहपूर्वक हुआ।

शिविर का शुभारंभ डीआरपी लाइन में कलेक्टर भव्या मित्तल एवं एसपी डॉ. रविन्द्र वर्मा ने किया। कलेक्टर ने कहा कि खेल बच्चों और युवाओं के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे प्रशिक्षण शिविरों से प्रतिभाओं को आगे बढने का अवसर मिलता है तथा अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है। उन्होंने घोषणा की कि जो खिलाड़ी नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, उन्हें समापन समारोह के दिन

टी.शर्ट प्रदान की जाएगी। एसपी ने कहा कि खेल शिविरों के माध्यम से बच्चों में सकारात्मक बदलाव आता है। बच्चे मोबाइल, टीवी और अन्य अनावश्यक गतिविधियों से दूर रहकर खेलों में पसीना बहाते हैं, जिससे उनमें नई ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से अधिक पानी पीने एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील की। पुलिस विभाग द्वारा खिलाड़ियों के लिए प्रतिदिन अंकुरित नाश्ते की व्यवस्था की जाएगी। पवी दुबे ने बताया कि खरगोन में स्टेडियम मैदान, पीजी कॉलेज एवं डीआरपी लाइन में विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण शिविर संचालित किए जा रहे हैं। इस वर्ष सभी खिलाड़ियों का खेलवार पंजीयन ऑनलाइन लिंक के माध्यम से किया जा रहा है। संचालन खेल शिक्षक जितेंद्र हिरवे ने किया।

कृषि रथ देगा योजनाओं की जानकारी

खरगोन, निप्र। कृषि कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि रथ अभियान की शुरुआत की गई। जिले के सभी विकासखंडों में जनप्रतिनिधियों द्वारा कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

खरगोन में विधायक बालकृष्ण पाटीदार द्वारा कृषि रथ को हरी झंडी दिखाई गई। कसरावद में जिला पंचायत अध्यक्ष अनुबाई तंवर ने अभियान का शुभारंभ किया, वहीं बड़वाह में विधायक सचिन बिरला द्वारा कृषि रथ को रवाना किया गया। इसी तरह जिले के सभी विकासखंडों में कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की गई। कृषि रथ अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि एवं संबद्ध विषयों की नवीनतम जानकारियों से अवगत कराना है। रथ के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों एवं किसानों के बीच सीधा संवाद स्थापित करते हुए आधुनिक तकनीक, नवाचार एवं शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी सीधे खेत-खलिहान तक पहुँचाई जा रही है। यह कृषि रथ 16 मई 2026 से 28 मई 2026 तक जिले की ग्राम पंचायतों में भ्रमण करेगा। अभियान के दौरान किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन, फसल विविधी करण, पराली प्रबंधन तथा कृषि को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी। जनप्रतिनिधियों ने इस पहल को किसानों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि ऐसे अभियानों से किसानों को नई तकनीकें अपनाने की प्रेरणा मिलेगी, उत्पादन लागत घटेगी और आय में वृद्धि होगी। उपस्थित किसानों ने भी कृषि रथ अभियान का स्वागत करते हुए इसे कृषि विकास की दिशा में एक सार्थक और प्रभावी कदम बताया।

निमाड़ की लोक परंपरा 'डोडगली अमावस्या' अच्छी बारिश और लोक संस्कृति का अनूठा पर्व

कसरावद, निप्र। निमाड़ अंचल की मिट्टी में लोक परंपराएं आज भी जीवंत हैं। इन्हीं प्राचीन परंपराओं में से एक है 'डोडगली अमावस्या', जिसे कई क्षेत्रों में 'डोडगली अमावस्या' के नाम से भी जाना जाता है। ज्येष्ठ मास में आने वाली यह अनूठी लोक परंपरा मुख्य रूप से अच्छी वर्षा और मानसून के आगमन की कामना से जुड़ी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह पर्व बच्चों, बुजुर्गों और पूरे समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करता है।

परंपरा के तहत गांव के बच्चे और किशोर समूह बनाकर निकलते हैं। इनमें एक बच्चे को पलाश (टेसू) की पत्तियों और डालियों से सजाकर 'मेंढक' का रूप दिया जाता है। निमाड़ी बोली में मेंढक को 'डेडर' कहा जाता है, इसी कारण इस परंपरा का नाम 'डोडगली' या 'डेडगली' पड़ा। बच्चों की टोलियां गांव में घर-घर जाकर पारंपरिक निमाड़ी गीत और तुकबंदियां गाती हैं। इन गीतों में अच्छी बारिश, हरियाली और खुशहाली की कामना की जाती है। ग्रामीण भी इस लोक परंपरा में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं और बच्चों को तेल, आटा, अनाज व अन्य खाद्य सामग्री दान स्वरूप देते हैं। जब बच्चे गांव में घूमते हैं, तब ग्रामीण और बुजुर्ग पलाश की पत्तियों से सजे 'मेंढक' बने बच्चे पर पानी छिड़कते हैं। यह परंपरा प्रतीकात्मक रूप से इंद्र देव को प्रसन्न करने और अच्छी वर्षा का आह्वान करने का संदेश देती है। लोक मान्यता है कि इससे मानसून जल्दी आता है और खेतों में भरपूर फसल होती है। बच्चों द्वारा एकत्रित किए गए अनाज और सामग्री से गांव में सामूहिक रूप से दाल-बाटी एवं पारंपरिक भोजन तैयार किया जाता है। इसके बाद सभी बच्चे और ग्रामीण मिलकर सामुदायिक भोज करते हैं। यह आयोजन आपसी प्रेम, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। 'डोडगली अमावस्या' वर्षा की कामना का पर्व नहीं, बल्कि निमाड़ की समृद्ध लोक संस्कृति, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामुदायिक एकता का भी प्रतीक है। आधुनिकता के दौर में भी ग्रामीण अंचलों में इस परंपरा का जीवित रहना निमाड़ की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है।

न्याय नहीं मिला तो सड़क से संसद तक महासंग्राम : जगदीश यादव

बिस्टान, निप्र। टीईटी शिक्षकों के अधिकार, सम्मान व भविष्य की लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है।सुप्रीम कोर्ट में विगत दिनों हुई लंबी व महत्वपूर्ण सुनवाई में शिक्षकों का पक्ष देश के वरिष्ठ एवं विद्वान अधिवक्ताओं द्वारा बेहद मजबूती, तथ्यों व संवैधानिक आधार के साथ रखा गया।

राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने विश्वास जताते हुए कहा कि न्यायालय लाखों शिक्षकों के भविष्य, सेवा सुरक्षा और न्यायसंगत अधिकारों को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय देगा।उन्होंने कहा कि वर्षों से शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ बनकर कार्य कर रहे हैं।ऐसे में उनके साथ अन्याय केवल शिक्षकों के साथ अन्याय नहीं, बल्कि देश की पूरी शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि शिक्षकों का पक्ष संवैधानिक, तार्किक व मानवीय आधार पर पूरी तरह मजबूत है।

यादव ने दो टूक कहा कि यदि किसी कारणवश निर्णय शिक्षकों के पक्ष में नहीं आता है, तो यह संघर्ष किसी भी स्थिति में समाप्त नहीं होगा। संगठन सुप्रीम कोर्ट में क्यूरोटिव पिटिशन दायर कर पुन: न्याय की लड़ाई लड़ेगा और साथ ही देशभर के शिक्षकों को संगठित कर लोकतांत्रिक तरीके से सड़क से संसद तक बड़ा आंदोलन खड़ा करेगा। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही दिल्ली में देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षक संगठनों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें संसद घेराव, राष्ट्रव्यापी आंदोलन और व्यापक जनजागरण अभियान की रणनीति तैयार की जाएगी। यह केवल नौकरी बचाने का आंदोलन नहीं, बल्कि लाखों शिक्षक परिवारों के सम्मान, भविष्य और अस्तित्व की लड़ाई है। उन्होंने सरकार से मांग की कि यदि आवश्यकता पड़े तो सरकार अध्यादेश लाकर कानून में संशोधन करे, ताकि लाखों शिक्षकों को राहत मिल सके और शिक्षा व्यवस्था में स्थिरता बनी रहे। यदि शिक्षकों की आवाज को अनसुना किया गया,तो देशभर के शिक्षक एकजुट होकर ऐसा जन आंदोलन खड़ा करेंगे जिसकी गूंज सड़कों से लेकर संसद तक सुनाई देगी।

एक नजर में

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोगावां में डेंगू से बचाव संबंधित गतिविधियां कर दी जानकारी

गोगावा, निप्र । राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोगावां पर ड़ेंगू से बचाव हेतु जागरूकता संबंधित गतिविधियां की गई। इस अवसर पर ब्लाक मेडिकल ऑफिसर डॉ एहमद रजा खान ने कहा कि सावधानी, स्वछता, सजगता ओर समय से उपचार से जानलेवा ड़ेंगू रोग का पूर्ण उन्मूलन सम्भव हैं, ड़ेंगू नियंत्रण पखवाड़े के अंतर्गत 2 दिन पूर्व जिला मलेरिया अधिकारी डॉ मनोज पाटीदार ने ब्लाक पर सभी चिकित्सा अधिकारियों व मैदानी कार्यकर्ताओं को डेंगू से बचाव की शपथ दिलाई गई व कहा कि डेंगू उन्मूलन हेतु सामूहिक भागीदारी अनिवार्य हैं। इस बार की थीम 'जांच करे, साफ करें, ढके' प्रभारी मलेरिया निरीक्षक सुनील सोनी ने बताया कि समय समय पर डेंगू के प्रति जनजागरूकता व समुदाय के सहयोग से ड़ेंगू के नए केसों में कमी आई हैं। बी पी एम आशिष पंवार ने डेंगू से बचाव हेतु सभी अपने घरों व अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ बनाये रखे, पानी का कही भी भराव न होने दे, डेंगू के लार्वा पनपने वाली जगहों को नियमित अंतराल में खाली कर सुखाकर ही भरे। सुपरवाइजर संजय चोहान ने ओ पी डी में उपचार हेतु आये मरीजो के परिजनों को पम्पलेट बाटकर जागरूक किया। इस अवसर पर बी सी एम जितेंद पाटीदार, लखन मंडलोई, हरीश नरगावे, भारती मालवीया दिलीप पटेल व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

शनि अमावस्या पर भक्तों ने नर्मदा स्नान कर की शनिदेव की पूजा

मंडलेश्वर, निप्र। भगवान शनिदेव की जयंती पर नगर के नर्मदा घाट पर नर्मदा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ रही आस पास के ग्रामीण क्षेत्रो और नगर के भक्तों ने नर्मदा स्नान कर शनिदेव का पूजन किया नगर में शनिदेव का एकमात्र मंदिर गुप्तेश्वर में स्थापित हैं उसके आलावा प्राचीन काशी विश्वनाथ मंदिर में भी एक प्राचीन शनि विग्रह स्थापित हैं जहाँ बड़ी संख्या में भक्तों ने पूजा की। नर्मदा किनारे स्थित स्वयं भू भैरवनाथ मंदिर में भी शनि जयंती पर शनिदेव की विशेष पूजा अर्चना कर आरती की गईं और भक्तों कों प्रसाद वितरित किया गया। तुकेश्वर महादेव मंदिर के पास भी एक चबूतरे पर शनिदेव स्थापित हैं जहाँ भक्तों ने शनिदेव को काले वस्त्र अर्पित कर तेल काले तिल काले उड़द चढ़ाकर पूजन किया इसके अलावा सभी हनुमान मंदिरो में शनि देव की विशेष पूजा की गईं।शनि जयंती के अवसर पर भक्तों ने शनिदेव के वाहन श्वान कों बिस्किट जलेबी इमरती खिलाई ऐसा माना जाता हैं की जिस व्यक्ति कों शनि की महादशा होती हैं उन्हें शनि आमावस्य पर शनि देव का पूजन करने से लाभ मिलता है।

पेयजल व्यवस्था की सघन समीक्षा, ग्रीष्मकालीन संकट से निपटने पर फोकस

खरगोन, निप्र। कलेक्टर भव्या मित्तल की अध्यक्षता में 15 मई को जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित ग्रामीण नल जल योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने निर्देश दिए कि ग्रामीण नल जल योजनाओं में जल कर वसूली की प्रगति में तेजी लाई जाए। साथ ही जनपद पंचायतों और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पेयजल से संबंधित समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समयबद्ध कार्रवाई से ग्रामीण जनता को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। बैठक में आगामी ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में संभावित पेयजल संकट से निपटने की तैयारियों पर विशेष चर्चा हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री मिलिंद कुमार नागदेवे, कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जिले के समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक यंत्री एवं उपयंत्री (पी.एच.ई.), साथ ही जिला एवं विकासखण्ड समन्वयक उपस्थित रहे।

नाबालिग के साथ घर में घुसकर रसोई गैस सिलेंडर चोरी करने वाला गिरफ्तार

खरगोन, निप्र। शहर सीमा से लगे सुखपुरी क्षेत्र में करीब 8 दिन पहले घर से चोरी हुए सिलेंडर मामले का मेनगांव थाना पुलिस ने पटाक्षेप किया है। इस मामले में पुलिस ने इंदौर के एक युवक और नाबालिग को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से सिलैंडर जब्त किया गया है। पुलिस मिली जानकारी अनुसार सुखपुरी निवासी फरियादी ने मेनगांव थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 7 मई को घर में रखा गैस सिलेंडर अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। पुलिस टीम ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया। इसके बाद संभावित रास्तों के सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले गए। परिणामस्वरूप फूटेज व मुखबिर सूचना के आधार पर यश पिता राजेश कमले निवासी लोकनायक नगर छतरीपुरा इन्दौर व एक विधिविरुद्ध बालक को अभिरक्षा लिया। बारीकी व मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ में उक्त चोरी को करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर गैस सिलेंडर के साथ ही घटना में प्रयुक्त कार को जब्त किया है।

एक नजर में | **मिशन दाना-पानी बना मानवीय संवेदना की मिसाल**

गर्मी में छात्रों ने पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने की लगाई गुहार

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र । भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच जब आमजन के साथ-साथ पक्षी भी पानी और भोजन के लिए जूझ रहे हैं, ऐसे समय में पीजी कॉलेज द्वारा संचालित 'मिशन दाना-पानी' अभियान मानवीय संवेदनशीलता, करुणा और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरक मिसाल बनकर सामने आया है।

अभियान के माध्यम से कॉलेज के विद्यार्थियों ने पक्षियों के संरक्षण के लिए समाज को जागरूक करने का सराहनीय प्रयास किया है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जी.एस. चौहान ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराना भी

इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य है। पक्षियों के संरक्षण के लिए विद्यार्थियों द्वारा किया गया यह प्रयास न केवल अनुकरणीय है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत भी है। अभियान का मार्गदर्शन कर रहीं काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट डॉ. प्रियंका दुबे के निर्देशन में मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने शहर के फल-सब्जी विक्रेताओं, ठेला संचालकों तथा आम नागरिकों से संपर्क कर उन्हें पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने अपील की कि लोग अपने घरों, दुकानों, छतों और आसपास दाना-पानी के पात्र अवश्य रखें, जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके। उल्लेखनीय है कि कॉलेज द्वारा पूर्व में भी लगभग 1000 से अधिक दाना-पानी पात्र शहर के विभिन्न स्थानों पर लगाए जा चुके हैं। धार्मिक स्थल ज्योतेश्वर मंदिर, पार्कों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से दाना-पानी की व्यवस्था की जा रही है। विद्यार्थी समय-समय पर इन पात्रों में पानी एवं दाना भरकर सेवा कार्य भी कर रहे हैं। डॉ. प्रियंका दुबे ने कहा कि 'भीषण गर्मी में रखा गया एक छोटा सा पानी का पात्र भी किसी पक्षी के लिए जीवनदान बन सकता है। यदि हर व्यक्ति अपने घर के बाहर दाना-पानी रखे, तो हजारों परिंदों को राहत मिल सकती है।' अब यह अभियान केवल कॉलेज तक सीमित न रहकर शहरवासियों की सहभागिता से एक जनआंदोलन का रूप ले रहा है, जिसमें अनेक नागरिक पक्षियों के संरक्षण और सेवा में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। 'मिशन दाना-पानी' — एक छोटा प्रयास, हजारों परिंदों के जीवन का आधार। डॉ. वंदना बर्वे, डॉ. गणेश पाटिल, प्रो. मनोज भार्वे सहित बड़ी संख्या में छात्रों ने अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।